संकलित परीक्षा – I (2013)

हिन्दी 'अ'

कक्षा – IX

निर्धारित समय : 3 घण्टे **अधिकतम अंक : 90**

निर्देश :

(1) इस प्रश्न–पत्र के **चार खंड** हैं – **क, ख, ग** और **घ।**

(2) चारों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना **अनिवार्य** है।

(3) यथासंभव प्रत्येक खंड के उत्तर क्रमशः दीजिए।

खंडः क (अपठित बोध)

1 **निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर, दिए गए प्रश्नों के उत्तर के सही विकल्प छाँटकर लिखिए–** 5

जुलूस शहर की मुख्य सड़कों से गुजरता हुआ चला जा रहा था। दोनों ओर छतों, छज्जों, जंगलों और वृक्षों पर दर्शकों की दीवारें–सी खड़ी थीं। बीरबल सिंह को आज उनके चेहरों पर एक नई स्फूर्ति, एक नया उत्साह, एक नया गर्व झलकता हुआ मालूम होता था। वृद्धों के चेहरों पर स्फूर्ति, युवकों के चेहरों पर उत्साह और रमणियों के चेहरों पर गर्व छाया था। यह स्वराज्य के पथ पर चलने का उल्लास था। अब उनकी यात्रा का लक्ष्य अज्ञात न था, पथ–भ्रष्टों की भाँति इधर–उधर भटकना न था, दलितों की भाँति सिर झुकाकर रोना न था। स्वाधीनता का सुनहला शिखर सुदूर आकाश में चमक रहा था। ऐसा जान पड़ता था कि लोगों को बीच के नालों और जंगलों की परवाह नहीं है। सब उस सुनहले लक्ष्य पर पहुँचने के लिए उत्सुक हो रहे हैं।

(1) जुलूस शहर की किन सड़कों से गुजर रहा था ?

(क) छोटी–छोटी सड़कों से (ख) मुख्य सड़कों से

(ग) सामान्य सड़कों से (घ) लंबी लंबी सड़कों से

(2) जिनके चेहरों पर गर्व था वे थे दर्शक,:

		(क) युवक (ख) वृद्ध (ग) बीरबलसिंह (घ) रमणियाँ और बच्चे (3) 'अज्ञात' शब्द में उपसर्ग एवं मूल शब्द हैं,- (क) अ + ज्ञात (ख) अज् + यात (ग) अज्ञ + अत (घ) अज्ञा + त (4) गद्यांश में वर्णित उल्लास का कारण था : (क) राज पथ की रौनक (ख) धर्म पथ पर गमन (ग) स्वराज्य-पथ पर चले चलना (घ) अग्नि-पथ पर चलना। (5) सभी के मनों में उत्सुकता बनी हुई थी,: (क) उद्देश्य प्राप्ति की (ख) सुनहले लक्ष्य पर पहुँचने की (ग) शहर की ओर जाने की (घ) राजपथ की ओर जाने की	
	2	**नीचे दिए गए गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही उत्तर के लिए उपयुक्त विकल्प चुनकर लिखिए।** स्वावलंबन मनुष्य में एक चमत्कारी शक्ति के समान है। जब व्यक्ति स्वावलंबी होगा, उसमें आत्मनिर्भरता होगी, तो ऐसा कोई कार्य नहीं, जिसे वह न कर सके। स्वावलंबी मनुष्य के सामने कोई भी कार्य आ जाए, वह अपने दृढ़ विश्वास से, अपने आत्मबल से उसे अवश्य ही संपूर्ण कर देगा। स्वावलंबी मनुष्य जीवन में कभी भी असफलता का मुँह नहीं देखता। वह कभी किसी के सामने नहीं झुकेगा। वह जो करेगा, सोच-समझकर धैय से करेगा। मनुष्य में सबसे बड़ी कमी स्वावलंबन का न होना है और सबसे बड़ा गुण आत्मनिर्भरता ही है। आत्मनिर्भरता मनुष्य को श्रेष्ठ बनाती है। स्वावलंबी मनुष्य को स्वयं पर विश्वास होता है, जिससे वह किसी के भी कहने में नहीं आ सकता। भगवान श्रीकृष्ण ने गीता में कहा है — "जो स्वावलंबी व्यक्ति अपने कर्म और कर्तव्य के पालन में तत्पर रहता है, उसे ही सिद्धि प्राप्त होती है।" एकलव्य स्वयं के प्रयास से धनुर्विद्या में प्रवीण बना। निपट दरिद्र विद्यार्थी लाल बहादुर शास्त्री भारत के प्रधानमंत्री बने। साधारण से परिवार में जन्मे ज्ञानी जैल सिंह स्वावलंबन के सहारे ही भारत के राष्ट्रपति बने। (1) स्वावलंबन चमत्कारी शक्ति के समान क्यों है? (क) स्वावलंबन से प्रत्येक कार्य संपन्न किया जा सकता है। (ख) स्वावलंबन मनुष्य में दैवी शक्ति पैदा करता है। (ग) स्वावलंबन से व्यक्ति समर्थ बनता है। (घ) स्वावलंबन का गुण समाज में सम्मान दिलाता है? (2) स्वावलंबी मनुष्य की विशेषता होती है —	5

(क) वह कभी असफल नहीं होता।

(ख) वह किसी से हीन नहीं होता।

(ग) वह बिना विवेक से कार्य नहीं करता।

(घ) वह कभी भी धैर्य का परित्याग नहीं करता।

(3) संसार में श्रेष्ठता उसको मिलती है जो—

(क) वीर होता है।

(ख) आत्मनिर्भर होता है।

(ग) मित्रों पर विश्वास करता है।

(घ) सर्वगुण सम्पन्न होता है।

(4) 'सिद्धि' शब्द का अर्थ है —

(क) सजगता। (ख) सफलता।

(ग) सुखमयता। (घ) सुंदरता।

(5) मनुष्य को स्वयं पर विश्वास तब होता है जब वह —

(क) स्वावलंबी। (ख) आत्मप्रशंसा।

(ग) आत्मरक्षा। (घ) आत्मर्निभरता।

3 **निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और पूछे गए प्रश्नों के लिए सही विकल्प चुनकर उत्तर लिखिए -** 5

अंधकार से घिरा हुआ, जब सोता था सारा संसार।

हमने ही था उसे जगाया, विमल प्रेम का दीपक बार।।

रहे कभी थे नहीं आज तक, किसी अन्य जन के आधीन।

थे शासक हम स्वयं देश के, और नृपति थे धर्म-धुरीन।।

समर भूमि के लिए सदा ही, हममें भरा रहा उत्साह।

कुरुक्षेत्र की पुण्य-भूमि में, सेनाओं का बहा प्रवाह।।

हम में अपने कुल गौरव का भरा रहा इतना अभिमान।

मान चले जाने से पहले, हमने सदा दे दिए प्राण।।

(i) 'सारे संसार के सोते रहने' का आशय है कि, -

(क) संसार के लोग गहरी नींद सो रहे थे।

(ख) सूरज न निकलने से सारे संसार में अंधकार फैला हुआ था।

(ग) दुनिया के अधिकांश देशों में ज्ञान का प्रकाश नहीं हुआ था।

(घ) सारा संसार थक कर चूर था, इसलिए सो रहा था।

(ii) 'कुरुक्षेत्र' इसलिए प्रसिद्ध है कि, वहाँ, -

(क) महाभारत (युद्ध) हुआ था।

(ख) एक प्राचीनकालीन शिक्षा केन्द्र है।

(ग) मध्यकालीन प्रसिद्ध तीर्थ-स्थल मौजूद हैं।

(घ) प्रसिद्ध पर्यटन-स्थल और पुण्य-सरोवर है।

(iii) गद्यांश के अनुसार भारतवासियों के हृदय में किस बात के लिए उत्साह भरा हुआ था ?

(क) युद्ध के लिए।

(ख) संसार को ज्ञान का प्रकाश देने के लिए।

(ग) मान के लिए प्राण देने के लिए।

(घ) अपनी आन और कुल गौरव की रक्षा के लिए युद्ध हेतु।

(iv) कविता में निहित मूल भाव है, -

(क) भारत का आदर्श। (ख) भारतीय लोगों की पहचान।

(ग) भारत का गौरव-गान। (घ) भारतीय परंपरा।

(v) 'विमल प्रेम का दीपक बार' का भाव है -

(क) दीपक जलाकर उजाला कर दिया।

(ख) प्रेमपूर्वक दीपक जलाया और सफ़ेद उजाला हो गया।

(ग) समस्त संसार को विश्व-बंधुत्व का स्नेहपूर्ण पाठ पढ़ाकर मानवता सिखलाई।

(घ) पूरे संसार को मानवता का संदेश दिया।

4	**निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर, दिये गए प्रश्नों के उत्तरों में से सही विकल्प छाँटकर लिखिए।** हवस बुझाने से पहले साधन उपजाना सीखो, जंग छेड़ने से पहले तलवार चलाना सीखो। महज फूँकने से कब कोई श्रृंग टूट है गिरता, गगन-सितारे तोड़ न कोई जलधि-पार है तिरता, कंचनजंघा चढ़ा वही जो सहा बर्फ़ का रेला, जो तरंग तट छोड़ बढ़ा, वह कब कगार फिर फिरता, आग लगाने से पहले तुम आग बुझाना सीखो। तलवार चलाना सीखो।। (1) हवस बुझाने से पहले क्या सीखना चाहिए ? (क) खेत तैयार करना। (ग) साधन उपजाना। (ख) फसल उपजाना। (घ) घर सही करना। (2) जंग छेड़ने से पहले क्या सीखना चाहिए ? (क) भाला-चलाना। (ख) घुड़सवारी करना। (ग) तलवार चलाना। (घ) हाथी पर चढ़ना। (3) आग लगाने से पहले क्या सीखना चाहिए ? (क) आग जलाना (ख) चूल्हा जलाना (ग) चक्की पीसना (घ) आग बुझाना (4) कंचनजंघा कौन चढ़ सकता है ? (क) बर्फ़ के रेला सहने वाला। (ख) दुख सहने वाला। (ग) पहाड़ी आदिवासी। (घ) बहादुर बच्चे। (5) श्रृंग कब नहीं टूटता ?	5	

		(क) कूकने से। (ख) फूँकने से। (ग) बोलने से। (घ) लड़ने से।	
		खंड: ख (व्यवहारिक व्याकरण)	
	5	**निर्देशानुसार उत्तर दीजिए।** (क) 'सुशांत' शब्द में प्रयुक्त उपसर्ग और मूल शब्द लिखिए। (ख) 'अ' उपसर्ग लगाकर एक शब्द बनाइए। (ग) 'खिलौना' शब्द में प्रयुक्त प्रत्यय और मूल शब्द लिखिए। (घ) 'वाला' प्रत्यय से एक शब्द बनाइए। **निम्नलिखित समस्त पदों का विग्रह कर समास का नाम लिखिए ।** (i) महात्मा (ii) विद्यालय (iii) त्रिलोचन	7
	6	(i) **अर्थ के आधार पर निम्नलिखित वाक्यों की पहचान कर उनके भेद लिखिए :** (क) मैंने आज गृहकार्य नहीं किया। (ख) धूप में मत खेलो। (ii) **निम्नलिखित वाक्यों को निर्देशानुसार बदलिए :** (क) तुम पढ़ने बैठ जाओ। (संदेहवाचक) (ख) गर्मी में पानी नहीं पीने से बीमार होते हैं। (संकेतवाचक)	4
	7	**निम्नलिखित पद्यांशों में प्रयुक्त अलंकारों की पहचान कर उनके नाम लिखिए :** (क) आए महंत वसंत। (ख) वह दीप-शिखा-सी शांत भाव में लीन। (ग) सुनत जोग लागत है ऐसो ज्यों करुई ककरी। (घ) मेघ आए बड़े बन-ठन के सँवर के।	4
		खंड: ग (पाठ्य-पुस्तक)	

8	**प्रस्तुत गद्यांश पर आधारित प्रश्नों के उत्तर लिखिए।** उन जैसा 'बर्ड वाचर' शायद ही कोई हुआ हो। लेकिन एकांत क्षणों में सालिम अली बिना दूरबीन भी देखे गए हैं। दूर क्षितिज तक फैली ज़मीन और झुके आसमान को छूने वाली उनकी नजरों में कुछ-कुछ वैसा ही जादू था, जो प्रकृति को अपने घेरे मं बाँध लेता है। सालिम अली उन लोगों में थे जो प्रकृति के प्रभाव में आने की बजाए प्रकृति को अपने प्रभाव में लाने के कायल होते हैं। (1+2+2) (i) 'बर्ड वाचर' का क्या अर्थ है ? (ii) सालिम अली की नजरों में जादू था- का आशय स्पष्ट कीजिए। (iii) सालिम अली की प्रकृति कैसी थी ?	5
	निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए। (2x5)	
9(i)	आज के उपभोक्तावादी युग में पनप रही दिखावे की संस्कृति पर अपने विचार ''उपभोक्तावाद की संस्कृति'' पाठ के आधार पर प्रकट कीजिए।	2
9(ii)	हीरा और मोती ने साँड़ का सामना किस प्रकार किया ?	2
9(iii)	वृंदावन में कृष्ण की मुरली का जादू हमेशा क्यों बना रहता है ? ''साँवले सपनों की याद'' पाठ के आधार पर बताइए।	2
9(iv)	भारत की महिलाओं की तुलना में तिब्बत की महिलाओं की सामाजिक स्थिति कैसी थी ? ''ल्हासा की ओर'' पाठ के आधार पर लिखिए।	2
9(v)	'दो बैलों की कथा' कहानी में बैलों के माध्यम से कौन-कौन से नीति विषयक प्रमुख मूल्य उभर कर आए हैं?	2
10	**निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।** काली तू, रजनी भी काली,	5

		शासन की करनी भी काली, काली लहर कल्पना काली, मेरी काल कोठरी काली, टोपी काली, कमली काली, मेरी लोह-श्रृंखला काली, पहरे की हुँकृति की ब्याली, तिस पर है गाली, ऐ आली ! इस काले संकट-सागर पर मरने की मदमाती ! कोकिल बोलो तो ! अपने चमकीले गीतों को क्योंकर हो तैराती ! कोकिल बोलो तो ! (क) कवि ने अपने आस-पास के वातावरण में किन-किन काली वस्तुओं की गणना की है ? (ख) कवि ने किस वातावरण का चित्रण किया है ? (ग) कोयल की कूक 'चमकीला गीत' क्यों है ?	
		निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए। (2x5)	
	11(i)	पंत जी ने हरियाली को मखमल के समान क्यों बताया है?	2
	11(ii)	गोपियाँ कानों को अंगुली से ढककर बन्द क्यों करना चाहती है?	2

	11(iii)	बंद द्वार की साँकल कैसे खोली जा सकती है? वाख कविता के आधार पर बताइए।	2
	11(iv)	कबीर के अनुसार ईश्वर के सच्चे स्वरूप को कौन लोग नहीं जान पाते ?	2
	11(v)	कवि माखनलाल चतुर्वेदी को कोयल से ईर्ष्या होने का क्या कारण है?	2
	12	बाढ़ की सूचना मिलते ही, बाढ़ से बचने के लिए किए जाने वाले उपायों और प्रबंधों पर प्रकाश डालिए।	5
		खंड: घ (लेखन)	
		निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर लगभग 200-250 शब्दों में निबंध लिखिए।	
	13(i)	**चरित्र-धन** • भूमिका • सबसे बड़ा धन-चरित्र-धन। • उन्नति में सहायक • उपसंहार	10
		अथवा	
	13(ii)	**विज्ञापनों का आकर्षण** • प्रस्तावना • विज्ञापन का अर्थ • महत्व • उपयोगिता व अनुपयोगिता • उपसंहार	10

		अथवा	
	13(iii)	**बेकारी की समस्या** • भूमिका • बेकारी के कारण • समाधान • सरकार द्वारा सहयोग • उपसंहार	10
	14	बैंकिंग सेवा भर्ती बोर्ड,नई दिल्ली के सचिव को लिपिक के पद के लिए अपनी योग्यताओं का विवरण देते हुए आवेदन-पत्र लिखिए।	5
	15	विद्यालय द्वारा आयोजित योग प्रशिक्षण शिविर की उपयोगिता तथा आयोजन का विस्तार से प्रतिवेदन लिखिए।	5
		*****	